



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

अधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 616] नई दिल्ली, शुक्रवार, दिसम्बर 1, 1989/अग्रहायण 10, 1911
No. 616] NEW DELHI, FRIDAY, DECEMBER 1, 1989/AGRAHAYANA 10, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

उद्योग मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर, 1989

सा.का.नि. 1030(अ).—केन्द्रीय सरकार, कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956
का 1) की धारा 637 की उपधारा (1) के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग
करते हुए भारत सरकार के उद्योग और कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) की

1987 को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व और बीमा विभाग) की अधिसूचना सं० 208/69-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 27 अगस्त, 1969 के अधीन केन्द्रीय उत्पाद शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की अनुसूची के उप-शीर्ष सं० 3402.90 के अन्तर्गत गलत वर्गीकरण किया गया था,

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त प्रथा के अनुसार जा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 3 के अधीन उत्पाद शुल्क के उद्ग्रहण की बाबत (जिसके अन्तर्गत उसका उद्ग्रहण न किया जाता भी है) साधारणतया प्रचलित थी, उक्त मान पर उत्पाद शुल्क पूर्वोक्त अवधि के दौरान उद्ग्रहीत नहीं किया जा रहा था;

अब, अतः, केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 11ग द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि उक्त प्रथा के न होने पर उक्त माल पर उक्त अधिनियम के अधीन मदेय सम्पूर्ण उत्पाद शुल्क उस माल की बाबत मंदाय किया जाना अपेक्षित नहीं होगा जिस पर उक्त उत्पाद शुल्क उक्त प्रथा के अनुसार पूर्वोक्त अवधि के दौरान उद्ग्रहीत नहीं किया गया था।

[एफ० सं० 92/3/88-सी एम-3]

सी० के० कलोनी, उप सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 1st December, 1989

No. 58/89-CENTRAL EXCISES (N.T.)

G.S.R. 1032 (E).—Whereas organic surface-active agents (other than soap) and surface-active preparations (whether or not containing soap) (hereinafter referred to as the said goods), was wrongly classified under sub-heading No. 3402.90 of the Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986) under the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) No. 208/69 Central Excises, dated the 27th August, 1969, during the period commencing on the 28th day of February, 1986 and ending with the 24th day of September, 1987;

And whereas the Central Government is satisfied that according to a practice that was generally prevalent regarding levy of duty of excise (including non-levy thereof) under section 3 of the Central Excises and Salt Act, 1911

(1 of 1944), the duty of excise on the said goods was not being levied during the aforesaid period;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 11C of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby directs that the whole of the duty of excise payable under the said Act on the said goods but for the said practice, shall not be required to be paid in respect of the said goods on which the said duty of excise was not levied during the period aforesaid, in accordance with the said practice.

[F. No. 92/3/88-CX. 3]

C. K. KALONI, Dy. Secy.

